साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 5 । अंक : 41 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 22 मई से 28 मई 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

चक्कर आकर गिरने से महिला की मौत

गोंदिया–आमगांव थाने के तहत एक महिला अपने घर पर साफ-सफाई कर रही थी. इसी बीच उसके सीने में दर्द हुआ और वह चक्कर आकर नीचे गिर गई. पडोसी लोगों ने उसे ग्रामीण अस्पताल आमगांव लेकर गए. जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. फिर्यादी की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज दर्ज किया है.

महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ खूंखार नक्सली, कमांडर तेलतुंबडे का अंगरक्षक देवसू ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के समक्ष किया आत्मसमर्पण

बुलंद-गोंदिया–1 वर्ष में 3 माओवादियों ने किया सरेंडर बुलंद गोंदिया। देश में नक्सलियों को विकास की मुख्यधारा में लाने, उनके जीवन में सुधार लाने तथा उनके गतिविधियों की रोकथाम हेतु महाराष्ट्र में चल रही नक्सल विरोधीअभियान 卐नक्सली आत्मसमर्पण योजना卐 के तहत1 वर्ष में 3 माओवादी मूमेंट से जुड़े खूंखार नक्सलियों ने गोंदिया जिला पुलिस व जिला प्रशासन के समक्ष आत्मसर्मपण किया है। इनमें 2024 में संजय पुनेम व देवा मुड़ाम ने पहले सरेंडर किया था,अब साढ़े तीन लाख के इनामी महाराष्ट्र छत्तीसगढ़ का ईनामी , कमांडर तेलतुंबडे का अंगरक्षक खूंखार नक्सली देवसू उर्फ देसु ने 19 मई को आत्मसमर्पण किया है।

देवसू उर्फ देसु सिर्फ 24 साल का है। वो प्लाटून नक्सली कमेटी का सदस्य और कोर कमेटी सदस्य रहते हुए मारे गए दीपक उर्फ मिलिंद तेलतुंबड़े का बॉडीगार्ड रहा है।

आत्मसमर्पित नक्सली देवसू उर्फ देसु का असली नाम देवा राजा सोडी है, जो कि चीटिंगपारा/गुंडम पोस्ट पामेड, पुलिस स्टेशन तर्रेम तहसील उसूर जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) का निवासी है। इस नक्सली ने जिलाधिकारी प्रजीत नायर, पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन लगातार नक्सली मूवमेंट को समाप्त करने निरंतर नक्सली विरोधी अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत वे विविध उपक्रमों के तहत शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुँचाने का कार्य कर उन्हें विकास की मुख्यधारा में ला रही है। जो नक्सली गुमराह कर, लालच में माओवादियों के संगठन में भर्ती हुए है उन्हें हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में लाने हेतु भी आवाहन किया जाता है। आत्मसमर्पित नक्सली देवसू उर्फ देसु नक्सली गतिविधियों के अतिसंवेदनशील क्षेत्र का निवासी रहा है। उसके गांव में नक्सली मूवमेंट आम बात रही है। जल,जंगल, जमीन की लड़ाई में भोले भाले नागरिकों को सरकार के विरुद्ध भड़काकर उन्हें नक्सली संगठन में भर्ती किया जाता है। देसु भी बाल्यावस्था में ही बाल संगठन में भर्ती हुआ था। इसके बाद देवसू 2017 में पामेड पीएल 9 में भर्ती हुआ और शासन के विरुद्ध हथियार उठाएं।

दिसंबर 2017 में उसे कुछ नए भर्ती हुए नक्सलियों के साथ एमएमसी झोन में भेजा गया। अप्रैल 2018 में वो अपने साथियों के साथ एमसीसी जोन (विस्तार एरिया) में दाखिल हुआ। दर्रेकसा, तांडा, मलाजखंड पीएल 3 इस नक्सली दलम के साथ 8-15 दिन काम किया। उस दौरान तत्कालीन एमसीसी जोन प्रभारी मिलिंद तेलतुंबड़े (सेंट्रल कमिटी) जो मारा गया उसके अंगरक्षक के रूप में नियुक्त हुआ।

गौर हो कि 13 नवंबर 2021 को मर्दिनटोला, जिल्हा- गडचिरोली में हुई नक्सली-पुलिस मुठभेड़ में मिलिंद तेलतुंबडे सहित 28 नक्सली मारे गए। उस दौरान देवसू और उसके कुछ साथी जान बचाकर भागे थे। इसके बाद देवसू ने माड एरिया में किया ओर वापस पीएल 9 में आ गया।

आत्मसमर्पित नक्सलु देवसू, 2017 से 2022 तक माओवादी संगठन में रहते हुए गोंदिया जिले सहित अन्य जिलों में विविध आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया।

इनमें 1) पुलिस थाने- चिचगड (जिल्हा गोंदिया) अंतर्गत कोसबी जंगल परिसर में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ (2018).

2) पुलिस थाने- चिचगड (जिल्हा गोंदिया) अंतर्गत तुमडिकसा जंगल परिसर में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ (2018)

3) पुलिस थाना- गातापार (जिल्हा राजनांदगाव, खैरागड / छत्तीसगड) अंतर्गत तांडा जंगल परिसर में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ (फेब्रुवारी 2019)

4) बकोदा (कान्हा भोरमदेव एरिया) जंगल परिसर में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ (मार्च 2019)

5) मर्दीनटोला (जिल्हा गडचिरोली)

जंगल परिसर में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ (2021) में सहभागी रहा.

खूंखार नक्सली देवसू का आत्मसमर्पण करने का मुख्य कारण.. 1) देवसू ने बताया कि, 13 नोव्हेंबर 2021 को जब गडचिरोली जिले के मर्दिनटोला में पुलिस के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई तब सीसी मेंबर दीपक तेलतुंबडे को उसके सामने गोली लगी और वो मारा गया। तेलतुंबड़े के साथ अनेक छोटे बड़े कैडर मारे गए इस घटना से वो अत्यधिक भयभीत हो गया। उसे मारे जाने और पकड़े जाने का डर बना रहा।

2) उसने बताया कि नक्सली संगठना के वरिष्ठ कैडरों को संगठन के ध्येय, उसके आगे का भविष्य पता न हो पाने के कारण सबकी जिंदगी दांव में लगी हुई थी।

3) उसने ये भी कहा कि, नक्सली संगठन के वरिष्ठ कैडर संगठन को चलाने हेतु पैसे/फंड जमा करने कहते है पर वो पैसा वे सिर्फ खुद के फायदे के लिए खर्च करते है। सरकार की विविध कल्याणकारी योजना चलाये जाने पर अब जनता का नक्सली मूवमेंट को उतना साथ नही मिलता, जिस कारण वे आत्मसमर्पण कर रहे है। उसने कहा कि, माओवादी नेता ये सिर्फ खुद के फायदे के लिए गरीब आदिवासी युवक-युवतियों का उपयोग कर रहे है। दलम में रहते हुए शादी होने के बाद भी वैवाहिक जीवन बसर करना मुमकिन नही। परिवार में कठिनाइयां, परेशानियां आने पर भी हम मदद नही कर सकते। समय पर भोजन नही मिलता, जंगल में रहने के दौरान बीमार होने पर कोई स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नही होती। पुलिस के मुखबिर बढ़ गए है जिससे अनेक नक्सली मारे गए। अब जंगल में रहना कठिन है। वरिष्ठ कैडर पुलिस खबरी होने के शक पर निरपराध आदिवासियों, आम नागरिकों को मार डालने का हुक्म देते है जो कि कदाचित उचित नही। इसलिए मैंने आज इस जोखिम भरे रास्ते को छोड़कर महाराष्ट्र सरकार की आत्मसमर्पण योजना के तहत समर्पण करने का फैसला लिया।

इस नक्सली आत्मसमर्पण कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पोलीस अधीक्षक, नित्यानंद झा, के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक-प्रमोद भातनाते, पुलिस उपनिरीक्षक श्रीकांत हत्तीमारे, अंमलदार स.फौ. अश्विनीकुमार उपाध्याय, पोहवा. अनिल कोरे, पो.शी. अतुल कोल्हटकर, चंदन पटले, मपोशी. लीना मेश्राम, चालक पो.ना. उमेश गायधने नक्सल सेल गोंदिया ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

आमगांव में प्याऊ घर का उद्घाटन

आमगांव–विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल कार्यालय आमगांव में पुरे विधि विधान से प्याऊ का उद्घाटन तहसीलदार मोनिका कांबडे के हाथों भगवान श्रीराम व भारत माता के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया. इस अवसर पर विहिंप जिला प्रमुख बालाराम व्यास, नरेंद्र वाजपेयी, रामू लिल्हारे, राजू बावनथडे, सुदीप गुप्ता, अभिषेक असाटी, नितिन असाटी, संस्कार चुने, जगदीश डोभने, राहुल हत्तीमारे, नवीन असाटी, केवट, कैलाश थेर उपस्थित थे

जिला क्रीड़ा अधिकारी नंदा खरपुड़े निलंबित खेल सामग्री निविदा प्रक्रिया में घोटाला सहायक संचालक ने की कार्रवाई

बुलंद गोंदिया। गोंदिया की जिला क्रीड़ा अधिकारी श्रीमती नंदा नंदा खरपुड़े द्वारा गोंदिया में खेल सामग्री निविदा में भारी घोटाला करने का मामला सामने आने पर कीड़ा व युवक सेवा सहसंचालक द्वारा नंदा नंदा खरपुड़े को निलंबित करने का आदेश 13 मई 2025 जारी किया गया। गौरतलब है की गोंदिया की जिला क्रीड़ा अधिकारी नंदा खरपुड़े अपने संपूर्ण कार्यकाल में भ्रष्टाचार का प्रतीक बनी हुई है वह जहां भी कार्यरत रहती है खेल सामग्री खरीदी में नियमों का उल्लंघन कर निविदा प्रक्रिया व भारी रिश्वतखोरी का आलम मचा रखती है। इसके पूर्व भी जिला क्रीड़ा अधिकारी नंदा नंदा खरपुड़े पर 2 लाख रुपए की रिश्वत मांगने का मामला दर्ज है तथा अनावश्यक करोड़ों रुपए की खेल सामग्री की टेंडर प्रक्रिया करने के मामले भी दर्ज है। इसी प्रकार का एक मामला गोंदिया क्रीड़ा अधिकारी रहते हुए सामने आया जिसमें क्रीड़ा संचालक द्वारा दिए गए आदेशों का पालन न करते हुए खेल सामग्री की निविदा प्रक्रिया कर खेल सामग्री की खरीदी का आदेश दिया जिसकी शिकायत कीड़ा व युवक सेवा संचनालय महाराष्ट्र शासन को प्राप्त होने पर इसकी जांच किए जाने पर नंदा खरपुड़े प्राथमिक रूप से दोषी पाई गई। जिसके चलते महाराष्ट्र शासन नागरिक सेवा नियम व अपील नियम 1979 के नियम 4 के अनुसार उप नियम 1 खंड अ के अनुसार जिला क्रीड़ा अधिकारी को निलंबित करने का आदेश सहसंचालक कीड़ा व युवक सेवा महाराष्ट्र द्वारा जारी किया गया है। तथा आदेश में उल्लेख किया गया है कि

आगामी आदेश तक वे निलंबित रहेगी तथा इस दौरान वे किसी भी प्रकार की निजी नौकरी अथवा व्यवसाय नहीं करेंगी अन्यथा वे दंड की अधिकारी होगी। 2 लाख रूपए की रिश्वत का मामला बीड़ की जिला क्रीड़ा अधिकारी रहते हुए सात व्यायम शालाओं को अनुदान देने के लिए 2 लाख रूपए की रिश्वत की मांग की थी जिसमें अपने परिचर के माध्यम से 80000 की रिश्वत स्वीकार की थी। इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा लातूर स्थित निवास स्थान पर तलाशी कर 11 लाख 37000 की नगद व जेवरात जप्त किया था। लाखों रुपए की अनावश्यक खेल सामग्री की खरीदी यवतमाल में जिला कीड़ा अधिकारी रहते हुए जिमनास्टिक प्रशिक्षक वह खिलाड़ियों के ना होते हुए भी 95 लाख रुपए की सामग्री खरीद कर लाखों रुपए की रिश्वत का खुला खेल खरपुड़े द्वारा खेला गया था जिसकी भी जांच की जा रही है। गोंदिया में भी विवादास्पद कार्यकाल गोंदिया में भी जिला कीड़ा अधिकारी नंदा खरपुड़े का विवादास्पद कार्यकाल है खेल सामग्री की खरीदी में लाखों रुपए का भ्रष्टाचार वह रिश्वत की मांग के साथ मनमाने तरीके से कीड़ा संकुल में आदेश जारी करने के मामले भी सामने आए थे जिससे शहर के खिलाड़ियों को काफी परेशानियों का सामना करना पढ़ रहा है।

न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ दिलाई

नई दिल्ली/ गोंदिया– न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, उच्चतम न्यायालय के अन्य न्यायाधीश, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और कानूनविद उपस्थित थे। न्यायमूर्ति गवई ने सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई, 2025 को समाप्त होने के बाद उनका स्थान ग्रहण किया।

जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई का जन्म 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती में हुआ था। वह एक प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ, अम्बेडकरवादी नेता, पूर्व सांसद और विभिन्न राज्यों के राज्यपाल रहेरा.सु. गवई के पुत्र है। उनका परिवार, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के पास विचारों की समृद्ध विरासत है और वे बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। न्यायमूर्ति गवई ने बी.ए. की डिग्री प्राप्त की। 1985 में नागपुर विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। अपनी डिग्री पूरी करने

के बाद उन्होंने अपना कानूनी करियर शुरू किया। 1987 में उन्होंने बॉम्बे उच्च न्यायालय में, मुख्यत: नागपुर पीठ में, स्वतंत्र रूप से प्रैक्टिस शुरू की। उन्होंने 1992-93 में सहायक लोक अभियोजक और अतिरिक्त लोक अभियोजक के रूप में काम किया। 2003 में उन्हें बॉम्बे उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 2005 में वे स्थायी न्यायाधीश बन गए। 24 मई 2019 को उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया।

मुख्य न्यायाधीश के पद पर न्यायमूर्ति गवई की नियुक्ति सर्वोच्च न्यायालय में वरिष्ठता के आधार पर हुई थी, वे मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के बाद दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 29 अप्रैल, 2025 को उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी। मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति गवई का कार्यकाल लगभग छह महीने का होगा। वह 23 नवंबर 2025 को 65 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होंगे।

सर्वोच्च न्यायालय में अपने कार्यकाल के दौरान न्यायमूर्ति गवई ने कई ऐतिहासिक मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दिसंबर 2023 में, उन्होंने पांच न्यायाधीशों वाली पीठ में भाग लिया जिसने सर्वसम्मति से अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र सरकार के 2019 के फैसले को मंजूरी दी। वह उस पीठ का भी हिस्सा थे जिसने 2016 के विमुद्रीकरण के फैसले को बरकरार रखा था। वह उस पीठ का हिस्सा थे जिसने राजनीतिक वित्तपोषण के लिए चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक घोषित किया था। 2024 में अवैध निर्माणों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई के लिए देशव्यापी दिशा-निर्देश जारी करने वाली पीठ में उन्होंने अपना अमूल्य योगदान दिया है। पंजाब राज्य बनाम दविंदर सिंह (2024) के मामले में, उन्होंने एससी/एसटी के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत के अनुप्रयोग की वकालत की, जो वास्तविक समानता सुनिश्चित करेगा। न्यायमूर्ति गवई ने 700 से अधिक सुनवाई में भाग लिया है और लगभग 300 निर्णय लिखे हैं। जिसमें संवैधानिक, प्रशासनिक, सिविल, आपराधिक और पर्यावरण कानून शामिल हैं।

मनस्वी आशीष शर्मा ने एसएससी में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बढ़ाया परिवार का गौरव

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर के मालवीय वार्ड निवासी राजस्थानी ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ सदस्य उमाशंकर शंकर की पौत्री एवं अनुराधा आशीष शर्मा की सुपुत्री कु. मनस्वी ने एसएससी कक्षा दसवीं की परीक्षा में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परिवार एवं शहर का नाम गौरवान्वित किया है। मनस्वी आशीष शर्मा

एसेंट पब्लिक स्कूल की छात्रा है, तथा बचपन से ही पढ़ाई में कुशाग्र होने के कारण हमेशा उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करती रही है। दसवीं बोर्ड परीक्षा में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर मनस्वी आशीष शर्मा को पढ़दादी, दादा ,दादी, नाना, नानी एवं समस्त परिवारजनों ने बधाई एवं शुभआशीर्वाद दिया।

जिले में ड्रोन पर लगा प्रतिबंध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले की सीमा के भीतर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा ड्रोन या अन्य मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) का उपयोग किए जाने की संभावना है। यह देखते हुए कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा स्थलों के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है तथा सार्वजनिक शांति भंग होने की संभावना है, इन उपकरणों के उपयोग को रोकने के लिए 16 मई 2025 से 3 जून 2025 तक एक आदेश लागू किया गया है।

गोंदिया जिले की सीमा के भीतर ड्रोन या अन्य मानव रहित हवाई वाहनों का संचालन, उड़ाना या उपयोग करना प्रतिबंधित है। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने आदेश जारी किए हैं कि यदि कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करेगा तो

उसके विरुद्ध भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 223 व अन्य लागू कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

गोंदिया के अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी भैयासाहेब बेहरे ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी है कि यह आदेश अत्यावश्यक परिस्थितियों के कारण एकपक्षीय रूप से लागू किया जा रहा है।

ऑनलाइन किसान पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 मई तक बढ़ाई गई

बुलंद गोंदिया। सरकारी समर्थन मूल्य खरीदी योजना के तहत रबी विपणन सीजन 2024-25 में धान खरीदी के लिए किसान पंजीयन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2025 तक बढ़ा दी गई थी।

हालांकि, इस अवधि के दौरान पर्याप्त ऑनलाइन किसान पंजीयन नहीं होने के कारण, सरकार ने अंतिम तिथि 31 मई 2025 तक बढ़ा दी है। जिलाधिकारी गोंदिया और जिला विपणन अधिकारी ने जिले के धान किसानों से अपील की है कि वे अपना धान बेचने के लिए निकटतम सरकारी समर्थित धान खरीदी केंद्र पर जाएं, 31 मई 2025 तक किसान के रूप में पंजीकरण करें और सरकार की धान और मक्का खरीदी योजना का लाभ उठाएं।

संपादकिय...

बारात नहीं, कूटनीति है

शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के संसदीय दल के नेता संजय राउत कह रहे हैं कि यह बारात भेजने की जरूरत नहीं है। यह सिर्फ 'टूरिज्म प्रोग्राम' चल रहा है।' कांग्रेस दो बिंदुओं पर अटकी है। वह राष्ट्रपति ट्रंप को 'अमरीकी पापा' और 'अमरीकी फूफा' कहते हुए युद्धविराम पर सवाल पूछ रही है। क्या ऐसा तंज कूटनीति में उचित और स्वीकार्य है? लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बार-बार पूछ रहे हैं कि हमारे कितने लड़ाकू विमान नष्ट हुए? पाकिस्तान को हमले से पहले जानकारी देकर सचेत करना विदेश मंत्री जयशंकर की चूक नहीं, एक अपराध है। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री को स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि देश को जानने का अधिकार है। विपक्षी खेमे में कांग्रेस के साथी दलों- सपा, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार), झारखंड मुक्ति मोर्चा, नेशनल कॉन्फ्रेंस-को मौजूदा संवेदनशील दौर में भारत सरकार के निर्णयों पर आपत्ति नहीं है और वे सवाल, संदेह जताने के बजाय 'राष्ट्रीय एकजुटता' का प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ 'काली भेड़ें' हैं, जिनके दलों के सांसद 'विशेष प्रतिनिधिमंडलों' के साथ विदेश भेजे जा रहे हैं। क्या यह प्रधानमंत्री मोदी की राजनीतिक विवशता है कि उन्हें 33 देशों के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए विपक्षी सांसदों और नेताओं का सहारा लेना पड़ रहा है? यह संदर्भ राजनीतिक दलों और विपक्ष का नहीं है, बल्कि राष्ट्र भारत का है। प्रतिनिधिमंडल 'भारत के राजदूत' हैं, किसी दल-विशेष के सांसद या नेता नहीं हैं। क्या इन प्रतिनिधिमंडलों को 'बारात' माना जा सकता है? इतनी क्षुद्र और घटिया राजनीति करने की विवशता क्या है? देश के विदेश सचिव विक्रम मिसरी तक स्पष्ट कर चुके हैं कि विदेश मंत्री ने ऐसा बयान नहीं दिया। पाकिस्तान को इतना सचेत नहीं किया गया कि हाफिज सईद, मसूद अजहर, सैयद सलाहुद्दीन, लखवी सरीखे खूंखार आतंकवादी भाग कर किसी सुरक्षित पनाहगाह में शरण ले सकें। वे निश्चित तौर पर हमारी सेनाओं के निशाने पर हैं। पाकिस्तान में आजकल अज्ञात हमलावर भी खूब सक्रिय हैं, पाकिस्तान और कांग्रेस को यह भूलना नहीं चाहिए। सवाल है कि कांग्रेस बार-बार ऐसे बयान देकर देश को भ्रमित करने पर क्यों आमादा है? सेना के आधार पर हमारे सैन्य संचालन के तीनों महानिदेशकों ने भी ब्रीफ किया था कि हमारे सभी पायलट सकुशल घर लौट आए हैं। जाहिर है कि लड़ाकू विमान भी सुरक्षित लौट आए होंगे! फिर कांग्रेस और राहुल गांधी इस बयान को क्यों दोहरा रहे हैं कि पाकिस्तान को हमले की पूर्व जानकारी थी, लिहाजा हमने कुछ लड़ाकू विमान खोए होंगे! विडंबना यह है कि इधर कांग्रेस जो बयान दे रही है, उधर पाकिस्तान मीडिया की वे सुर्खियां बने हैं। ऐसी ही फर्जी खबरें सोशल मीडिया पर चलाई जा रही हैं कि पाकिस्तान की वायुसेना ने भारत के 5 राफेल विमान धराशायी कर दिए। वहां के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ संसद में भी यही बयान देते हैं और खबर का आधार सोशल मीडिया बताते हैं। ऐसे मंत्रियों को चुल्लू भर पानी भी नहीं मिलना चाहिए। सवाल यह भी है कि कांग्रेस भारत सरकार के साथ खड़ी है अथवा पाकिस्तानी खबरों की सूत्र बनी है?

भूख की तकलीफ और दर्द को कभी हम समझ पाये-विश्व भूख दिवस विशेष 28 मई 2025

दुनिया में करोड़ो लोग हर दिन भूख की तकलीफ़ को जीते हैं, बढ़ती उम्र, शारीरिक कमजोरी, गंभीर बिमारी, दिव्यांगता, अनाथ बेसहारा या कोई भी मजबूरी हो, जब तक आखिरी सांस है, तब तक भूख मिटाने के लिए अनाज चाहिए। केवल दो वक्त की रोटी के जद्दोजहद में ही न जाने कितनो की जिंदगी गुजर जाती है। दुनिया में हर कोई अपने हिस्से का भरपेट अन्न प्राप्त नहीं कर पाता है, अब तो अन्न में पोषक तत्वों की भारी कमी भी बड़ी समस्या है। भूख की कीमत बहुत छोटीसी है, लेकिन फिर भी विश्व में बहुत बड़ा वर्ग इस कीमत को भी नहीं चूका पाता। दो वक्त की रोटी और परिवार के भरणपोषण के लिए मनुष्य लगातार संघर्ष करता है। भूख के कारण कई मासूम जिंदगियां कम उम्र में ही जान गंवाती है। अमीर का भोजन महंगा और गरीब का भोजन सस्ता हो सकता है परंतु भूख सबकी एक होती है, भले ही पैसा, पद, देश, प्रतिष्ठा, रंग-रूप, ऊंच-नीच, धर्म-जात कोई भी हो परंतु भूख में अंतर नहीं होता। जिनके पास पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध है उनको अन्न के मूल कीमत का ज्ञान नहीं होता, वें केवल पैसे से उसका दाम लगाते है, इसलिए शायद खाद्य बर्बादी में हमारा देश विश्व में दूसरे क्रमांक पर आता है।

जिनके पास भरपूर मात्रा में भोजन के विभिन्न पर्याय उपलब्ध है, वे स्वाद अनुरूप थोडासा खाना खाकर बाकी बचा हुआ अन्न सहजता से फेंक देते है। किसी भी कारणवश जिस दिन हमें भूख लगने पर भी भोजन नहीं मिलता, उस दिन रूखी-सुखी रोटी की भी अहमियत दुनिया की बड़ी दौलत नजर आती है। भोजन की कमी के कारण बहुत बड़ी जनसंख्या नरकीय यातनाओं में जीवन बसर करती है। जन्म से ही भोजन की कमी के कारण बच्चों का सर्वांगीण विकास नहीं होता, संघर्षमय जीवन तभी से शुरू हो जाता है, जिम्मेदारियों का बोझ मासूम कंधो पर आ जाता है, इन जिम्मेदारियों के आगे उनके अधिकार, न्याय, समानता भी बौने प्रतीत होते है। बच्चे से उसका बचपन और मासूमियत छीन ली जाती है, भविष्य अंधकारमय लगता है। अन्न की कमी से जूझते हुए लोग मजबूरी में बद से बदतर स्थिति का सामना करते है, जो मिले वो खाने को तैयार होते है, लोगों की जूठन, कूड़ा, घासपुस यहाँ तक की मिट्टी तक खाते है, हैती देश में गरीब लोग मिट्टी की रोटी बनाकर खाते है। भूख सीधे हमारे स्वास्थ्य पर असर करती है, इससे शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के नुकसान झेलने पड़ते है। भूख इंसान से गुनाह तक करवाती है।

हर साल 28 मई को विश्व भूख दिवस दुनियाभर में जागरूकता हेतु मनाया जाता है। इस साल 2025 की थीम हर कोई खाने का हकदार है यह है।

यह थीम प्रत्येक के लिए पौष्टिक भोजन तक पहुंच सुनिश्चित करने के महत्व पर प्रकाश डालती है। विश्व में सभी लोगों को खाने के लिए पर्याप्त भोजन उगता है, अर्थात कोई भूखा नहीं रहेंगा, फिर भी, बड़ी जनसंख्या पर्याप्त कैलोरी और पोषक तत्वों की कमी से झुज रही है, क्योंकि वे स्वस्थ आहार का खर्च नहीं उठा सकते, साथ ही दूसरी ओर खाद्य बर्बादी है। हर साल, नौ मिलियन लोग भूख से संबंधित कारणों से मर जाते हैं; इनमें से कई 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे हैं। सभी बाल मृत्युओं में से आधे कुपोषण के कारण होती हैं। विश्व बैंक के अनुसार, वैश्विक खाद्य कीमतों में मात्र 1 प्रतिशत की वृद्धि से 10 मिलियन लोग अत्यधिक गरीबी में चले जाते है। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक अनुसार, 18.3 प्रतिशत आबादी अत्यधिक बहुआयामी गरीबी में रहते हैं। 83.7 प्रतिशत गरीब लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। सभी गरीब लोगों में से लगभग 70.7 प्रतिशत लोग उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया के ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं।

2024 के वैश्विक भूख सूचकांक में भारत 127 देशों में 105वें स्थान पर है, जिसका स्कोर 27.3 है, जो भूख के गंभीर स्तर को दर्शाता है। यह खाद्य असुरक्षा और कुपोषण की मौजूदा चुनौतियों के कारण उत्पन्न गंभीर भूख संकट को उजागर करता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे अविकसित है। बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका जैसे दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों का प्रदर्शन अच्छा है तथा वे मध्यम श्रेणी में आते हैं। यूएनईपी की खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट 2024 में भारत वैश्विक स्तर पर शीर्ष खाद्य अपशिष्ट उत्पादकों में शामिल है, भारत में प्रति व्यक्ति घरेलू खाद्यान्न की बर्बादी प्रति वर्ष 55 किलोग्राम है, देश में विशाल जनसंख्या के कारण प्रति वर्ष कुल 78 मिलियन टन खाद्यान्न बर्बाद हो जाता है।

विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति के 2024 संस्करण के अनुसार, 2023 में 713 से 757 मिलियन लोगों को भूख का सामना करना पड़ा अर्थात दुनिया में हर 11 में से एक व्यक्ति और अफ्रीका में हर पांच में से एक व्यक्ति। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2.33 बिलियन लोग मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे है और 3.1 अरब से अधिक लोग पोषकतत्वों से भरपूर आहार खरीदने में असमर्थ है। सेव द चिल्ड्रेन इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन के विश्लेषण के अनुसार, 2024 में कम से कम 18.2 मिलियन बच्चे भूख की स्थिति में पैदा हुए, अर्थात प्रति मिनट लगभग 35 बच्चे। संघर्ष और जलवायु संकट की यह स्थिति प्रत्येक वर्ष कम से कम 800,000 अतिरिक्त बच्चों को भूख की ओर धकेलेंगी।

संयुक्त राष्ट्र ने 2030 तक भुखमरी को दुनिया से पूरी तरह से समाप्त करने का लक्ष्य रखा है, यद्यपि कुछ क्षेत्रों में प्रगति हो रही है, फिर भी समग्र रूप से भूख का स्तर पिछले कुछ वर्षों से स्थिर बना हुआ है। जलवायु परिवर्तन, संघर्ष और आर्थिक असमानता जैसे कारक समस्या को अधिक बढ़ा रहे हैं। कंसर्न वर्ल्डवाइड के अनुसार, यदि प्रगति की वर्तमान गति जारी रही, तो भुखमरी के स्तर को कम करने में साल 2160 तक का समय लग सकता है। 2024 के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक में भारत 143 देशों में से 126वें स्थान पर है। ऑक्सफैम रिपोर्ट ने दर्शाया है कि, शीर्ष 1 प्रतिशत की आय हिस्सेदारी में लगातार वृद्धि हुई है। शीर्ष 5 प्रतिशत भारतीयों के पास देश की 60 प्रतिशत से अधिक संपत्ति है, निचले 50 प्रतिशत लोगों की आय में हिस्सेदारी में लगातार गिरावट आई है। ऑक्सफैम इंडिया की सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट रिपोर्ट 2023 अनुसार, भारत में अरबपतियों की कुल संख्या 2020 में 102 से बढ़कर 2022 में 166 अरबपति हो गई है, जबकि भूख से जूझ रहे भारतीयों की संख्या 190 मिलियन से बढ़कर 350 मिलियन हो गई है। वस्तुओं और सेवाओं पर उत्पाद शुल्क और जीएसटी में काफी वृद्धि की गई है, जिसका सीधा असर अधिकतर गरीबों के हिस्से पड़ता है। भारत के अरबपतियों की कुल संपत्ति 2024 में 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ी, जिससे 204 नए अरबपति बनें। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट अनुसार, 2019-2021 में भारत में कुपोषित लोगों की संख्या 224.3 मिलियन थी, जो कुल आबादी का लगभग 16 प्रतिशत है।

आज भी शादी समारोह या प्रसंगों के कार्यक्रम में लोग खूब थालियां भरभरकर भोजन लेकर फेंक देते है। वहीं दूसरी ओर कूड़े करकट में लोग खाना बीनते भी नजर आते है, यह हमारा बड़ा दुर्भाग्य है, कि अनाज संपन्न होते हुए भी देश का बड़ा हिस्सा भूख और कुपोषण से ग्रस्त है। पोषकतत्वों से भरपूर शुद्ध आहार, पानी पर प्रत्येक का अधिकार है, परंतु आर्थिक परिस्थिति के कारण संभव नहीं हो पाता, परंतु मानवता के नाते हर संपन्न व्यक्ति इसके लिए कोशिश करें तो भरपेट भोजन सबके लिए संभव है। हर हाथ को काम मिले तो स्थिति बदल सकती है। भूख की तकलीफ हम सबने समझनी होगी, तभी हर सांस को अन्न की आस पूरी होगी।

- डॉ. प्रितम भि. गेडाम

पटवारियों की तलाश में किसान कार्यालय से नदारद, आखिरकार कोतवाल कब तक संभालेंगे जिम्मेदारी

गोरेगांव-कार्यालयों में पटवारियों की अनुपस्थिति एक बड़ी समस्या बनकर सामने आ रही है. यहां रबी फसलों की खरीदी शुरू होने जा रही है, ऐसे में किसानों को सातबारा ऑनलाइन के लिए दस्तावेज की सख्त आवश्यकता है. लेकिन अधिकतर गांवों में पटवारी अपने कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते हैं. कभी तहसील में जरूरी मीटिंग का बहाना तो कभी किसी और गांव के अतिरिक्त प्रभार का बहाना बताकर अधिकतर पटवारी अपने कार्यालय से नदारत रहते हैं. जिसके चलते इन दिनों किसान पटवारियों के तलाश में भटक रहे हैं. जानकारी के अनुसार गोरेगांव तहसील में पटवारियों की कमी की समस्या वर्षों से बनी हुई है. यहां राजस्व विभाग द्वारा एक पटवारी पर एक से अधिक गांव की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है. जिसमें प्रत्येक ग्राम के लिए दिन निश्चित किए गए हैं. ऐसे में निश्चित किए गए दिन में संबंधित पटवारी को अपने कार्यालय में उपस्थित रहना चाहिए, लेकिन स्थिति विपरीत है. यहां अधिकतर पटवारी अपनी

जिम्मेदारी कोतवाल को सौंपकर कार्यालय से नदारत रहते हैं. महीनों-महीनों जरूरी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर नहीं किए जाते हैं. ऐसे में आम नागरिकों को एक काम के लिए 10 बार कार्यालय के चक्कर काटना पड़ता है. कुछ गांवों में पटवारी की जिम्मेदारी कोतवाल संभाल रहे हैं. यहां कोतवाल को हस्ताक्षर के लिए पटवारी के घर जाना पड़ता है. ऐसे में कोतवाल ही गांव के पटवारी बन बैठे हैं जो चर्चा का विषय है.

रेत और मुरुम की अवैध उत्खनन बढ़ी तहसील में अधिकतर पटवारियों की लापरवाहियों से बिना परमिशन उत्खनन व मुरूम परिवहन जैसे अवैध कार्य बढ़ रहे हैं. लेकिन राजस्व विभाग का ध्यान इस विषय पर नहीं है. वहीं पटवारियों की कार्यालय में अनुपस्थिति से किसान परेशान हैं. रबी खरीदी के लिए किसानों को सातबारा दस्तावेजों की आवश्यकता है. जिसके लिए किसान कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं. वहीं छात्रों को प्रवेश के लिए इनकम सर्टिफिकेट जैसे जरूरी दस्तावेजों की आवश्यकता है. यहां पटवारी कार्यालय के चक्कर काटने पर भी नागरिकों को संबंधित पटवारी के दर्शन नहीं हो रहे हैं.

तहसील में बैठकों के कारण कुछ दिनों कार्यालय में थे उपस्थित पिछले कुछ दिनों से तहसील कार्यालय में बैठकों का दौर चल रहा था. जिस कारण संबंधित पटवारी तहसील कार्यालय में उपस्थित थे. सभी पटवारियों को तत्काल अपने कार्यालय में उपस्थित रहने के निर्देश दिए जाएंगे.

प्रज्ञा भोकरे,
तहसीलदार, गोरेगांव

प्रोग्रेसिव्ह इंग्लिश हायस्कूल का कक्षा 10 वी के छात्रों का शानदार प्रदर्शन, परीक्षा परिणाम पुनः शतप्रतिशत

गोंदिया-महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल, नागपूर द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2024-25 का कक्षा 10 वी का परिक्षा परिणाम हाल ही में घोषित किया गया। श्रीमती उमाबाई बहुउद्देशिय शिक्षण संस्था, गोंदिया द्वारा संचालित प्रोग्रेसिव्ह इंग्लिश हायस्कूल का परिक्षा परिणाम इस वर्ष भी शतप्रतिशत रहा। प्रतिभावान छात्रा कु. रिन्कु एच. सिंगनजुडे 98.20%, अंक प्राप्त कर जिले में द्वितिय व विद्यालय में प्रथम स्थान पर रही दितीय स्थान पर कु. अनुष्का कटरे 97.80%, तथा कु. तुलसी रहागडाले 96.00त तृतीय स्थान पर रही। इसी के साथ मा. श्रवण ब्राम्हणकर 95.40%, मा. इशांत शिवहरे 93.60%, कु. मृणमयी वाकडे 92.00त, कु. रिचा पारधी 91.80त, कु. वैष्णवी पटले 89.60%, कु नुपुर कापसे 89.00%, मा. आर्या निनावे 89.00%, कु. रविता जुरेल 88.20%, कु. करिना साधवानी 87.80त, मा. जय वाधवानी 87.60%, कु. मुस्कान सोनवाने 87.40%, ओम ताडेकर 87.00%, कु. इशिता चौहान 86.80%, कु. चैताली मोरघरे 86.60त, कु. दिव्या धेर 86.60%, मा. श्रेयांश चाचरे 86.40%, मा. वीर पटले 85.80%, मा. संकल्प कोतवाल 85.80%, कु. मेरीना ऑगस्टीन 85.00%, मा. पार्थ पटले 85.00%, कु. वैष्णवी बरबुद्धे 83.80%, ना. मयंक बारपांडे 83.40%, कु. रुतुजा पवार 81.00%, मा. योग रहांगडाले 80.80%, मा. अंश सुमन 80.00%, अंक लेकर प्रविण्य सूची में अपना नाम दर्ज किया।

संस्थाध्यक्ष डॉ. पंकज कटकवार, उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का पी. कटकवार, संस्था सचिव डॉ. निरज कटकवार, श्रीमती लीना एन. कटकवार कोषाध्यक्ष श्रीमती ज्योती पहिरे, प्राचार्य ओ.टी. रहांगडाले, कुमुदिनी तावाडे, विकास पटले कुलदिप भौतिक, दुर्गा रामटेककर, वरिष्ठ शिक्षक सुनिल कटरे, एम.जी. पटले. सिमरन बास्के, रितेश येडे, ममता धरमकर, पुजा अग्रवाल, शुभांगी ब्राम्हणकर, आगचढ़ लेहे, मुकेश बिसेन, विजेश खांडेकर, विजय बाहेकर, ओमेश्वर तांडेकर, रिषभ पहिरे आदि ने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी।

शौचालयों में गंदगी का पसरा आलम नपं प्रशासन कर रही अनदेखी

गोंदिया-जिले की देवरी नगर पंचायत ने शहर के साथ ही शहर में आने वाले नागरिकों के लिए चौक-चौराहों पर शौचालय की व्यवस्था की है. लेकिन पिछले कुछ दिनों से शौचालयों में गंदगी का अंबार है. देवरी नगर पंचायत प्रशासन द्वारा सामान्य जनता के लिए बनाए गए शौचालय की स्वच्छता की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. जिससे स्वच्छ देवरी को अस्वच्छता का ग्रहण लगता दिखाई दे रहा है. उल्लेखनीय है कि देवरी तहसील मुख्यालय रायपुर-नागपुर महामार्ग पर है. शहर को नगर पंचायत का दर्जा प्राप्त है. शहर के नागरिकों को शैक्षणिक, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीति, आर्थिक दृष्टिकोण से जिम्मेदारी निभाना आवश्यक है. सप्ताह के हर मंगलवार को बाजार लगता है. जिससे परिसर के अनेक नागरिक यहां आते हैं. साथ ही शहर में बैंक, अस्पताल, सरकारी कार्यालय होने से हर दिन बाहर गांव से नागरिक बड़ी संख्या में पहुंचते हैं. शहर में नागरिकों की बढ़ी आवाजाही से नगर पंचायत ने नागरिकों की सुविधा के लिए शहर में जगह-जगह पेयजल, कचरा कुंडी, शौचालय की व्यवस्था की है. एक ओर हमारी देवरी स्वच्छ देवरी के तहत देवरी को स्वच्छ रखने का काम किया जा रहा है. लेकिन नगर पंचायत प्रशासन द्वारा लाखों रु. खर्च कर बनाए गए शौचालयों की ओर अनदेखी की जा रही है. पानी के अभाव में शौचालय के अंदर बड़ी मात्रा में गंदगी फैली हुई है.

सिपाही भर्ती में ओबीसी के साथ अन्याय न करें वराडे ने SP भामरे को सौंपा ज्ञापन

गोंदिया-गोंदिया जिला पुलिस सिपाही पद की भर्ती प्रस्तावित है, लेकिन इस प्रस्तावित भर्ती में 97 पद प्रस्तावित हैं, जिनमें से ओबीसी वर्ग को 19 पद मिलने चाहिए, लेकिन गोंदिया जिला पुलिस बल के आस्थापना ने वर्ष 2020-25 में पुलिस सिपाही पदों की भर्ती के लिए रिक्त पदों के आरक्षण की जानकारी देते समय एक भी ओबीसी पद नहीं दिखाया है. पिछले साल भी पुलिस विभाग ने 110 पदों पर भर्ती की थी, लेकिन तब भी ओबीसी वर्ग को एक भी पद आवंटित नहीं किया गया था, जो पूरी तरह से अनुचित है. यह जिले में ओबीसी उम्मीदवारों के खिलाफ सरासर अन्याय है. जिले की लगभग 70 प्रतिशत आबादी वाले ओबीसी समुदाय के साथ अगर लगातार दो वर्षों से पुलिस भर्ती में अन्याय होता रहे तो यह जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के लिए घोर निन्दनीय बात है. इस विषय को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस कमेटी के सचिव अमर वराडे ने गोंदिया जिले के पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे को ज्ञापन सौंपा है, जिसमें उन्हें बताया गया कि गोंदिया, जो एक बड़ी आदिवासी आबादी वाले नक्सल प्रभावित जिले के रूप में जाना जाता है, को पुलिस पदों की भर्ती में ओबीसी दर्जे से वंचित क्यों रखा गया. इस संबंध में सरकार को विशेष मामला मानकर जिले में ओबीसी समुदाय के लिए 19 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करना चाहिए, अन्यथा उम्मीदवारों को न्याय दिलाने के लिए किसी समय सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी अमर वराडे ने दी है.

मानसून आने से पहले सफाई करने की मांग

तिरोड़ा-अब मई का महीना आधा बीत चुका है. लेकिन मानसून पूर्व सफाई का काम अभी तय नहीं हुआ है. शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क किनारे बनी नालियां कचरे से भरी पड़ी है. गांव का कूड़ा खुले में फेंका जा रहा है. नप, ग्रापं व पंचायत समिति इस ओर अनदेखी कर रहे हैं.

नागरिकों ने सवाल किया है कि मानसून पूर्व सफाई का बिगुल कब बजेगा ? मौसम विभाग ने इस साल की शुरुआत में बारिश का दौर शुरू होने के संकेत दिए हैं. शहर व ग्रामों में नालियों में गंदगी, गाद और सड़कों पर कूड़ा-कचरा पड़ा है. जहां से नागरिकों का आना-जाना लगा रहता है वहीं अधिकारी व पदाधिकारी भी वहां से जाते हैं. लेकिन इसके बाद भी वे इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं. परिणामस्वरुप सड़क व नालियों में प्लास्टिक, घरेलू कचरा गिरा पड़ा है. सार्वजनिक बोरवेल, कुओं के आसपास कचरे का ढेर इससे ग्रामीणों का स्वास्थ्य खतरे में हैं. गांव की सभी नालियां कचरे से पटी पड़ी है. ग्रामीणों ने जब ग्रापं के अधिकारियों से इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि ग्रापं के पास पैसा नहीं है. जिससे गांव में कचरे की समस्या बनी रहती है.

हिंदू देवी देवताओं के मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्ति लिए विश्व हिंदू परिषद का मुक्ति अभियान- मिलिंद परांडे

बुलंद गोंदिया। विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी के 7 दिवसीय विदर्भ प्रांत सम्मेलन में पधारे विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठक मिलिंद परांडे ने पत्र परिषद में जानकारी देते हुए कहा कि हिंदू देवी देवताओं के मंदिरों के सरकारी नियंत्रण से मुक्ति व अन्य दो महत्वपूर्ण विषयों को लेकर संगठन का अभियान शुरू है। आगे उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि देश में सरकारी हिंदू देवी देवताओं मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण है जबकि अन्य धर्म के धार्मिक स्थलों पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण नहीं है, तथा हिंदू मंदिरों की संपत्ति का उपयोग ऐसे लोगों पर किया जाता है जिनकी विचारधारा हिंदू देवी देवताओं के खिलाफ है। जिससे विश्व हिंदू परिषद द्वारा इन मंदिरों के सरकारी नियंत्रण से मुक्ति के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिसके लिए संपूर्ण देश में साधु, संतों सरकार के मंत्रियों, सांसदों ,सभी राज्यों के विधायकों से संपर्क अभियान शुरू है तथा वर्ष के अंत तक देश में हिंदू देवी देवताओं के मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्ति मिलने की प्रबल संभावना है। जिससे हिंदू मंदिर सक्षम होंगे तथा उसमें कोई भी राजनीतिक सदस्य नहीं होगा तथा मंदिरों से धर्म का प्रचार होगा वह मंदिरों की संपत्ति पर हिंदुओं का ही अधिकार होगा साथ ही दूसरा विषय मतांतरणका खतरा देश के अनेक राज्यों में मंडरा रहा है जिस देश में धर्मांतरण विरोधी कानून लाने के लिए भी विश्व हिंदू परिषद द्वारा अभियान चलाया जा रहा है साथ ही गौ हत्या विरोधी कानून भी सरकार से मंजूर करने के लिए विश्व हिंदू परिषद प्रयासरत हैं।

इसके पश्चात उन्होंने बताया कि विश्व हिंदू परिषद द्वारा युवतियों लिए दुर्गा वाहिनी व महिलाओं के लिए मातृशक्ति संगठन के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जिसमें मुख्य रूप से इन्हें आर्थिक सामाजिक रूप से सक्षम बनाने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाता है। दुर्गा वाहिनी के लिए वर्तमान में देश में 44 स्थानो पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। गोंदिया मेंप्रोग्रेसिव्ह विद्यालय चुलोद में विदर्भ प्रांत का सम्मेलन आयोजित किया गया है जिसमें विदर्भ के सभी जिलों से सैकड़ो की संख्या में युवतीया इस प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने गोंदिया आई है। इस शिविर के माध्यम से महिलाओं व युवतियों के व्यक्तित्व विकास के साथ भारत के इतिहास की जानकारी, हिंदू धर्म, संस्कार, महिला सुरक्षा, दंड युद्ध कला व युद्ध कला का प्रशिक्षण के साथ शारीरिक स्वास्थ्य के लिए योग, व्यायाम व व्यक्तित्व विकास के लिए प्रवचन, भजन के साथ प्रथमोपचार के साथ समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार आदि की कार्यशाला आयोजित की जाएगी तथा यहशिविर 7 दिनों तक चलेगा। आयोजित पत्र परिषद में प्रशांत तितरे, नवीन जैन, देवेश मिश्रा, राजू वालिया आदि उपस्थित थे।

पलसगांव में मोपेड की चोरी

भंडारा-दुकान के सामने खड़ी मोपेड को अज्ञात चोर ने चोरी कर ले जाने की घटना पलसगांव में घटी. फरियादी नैनपूर पापडा निवासी नरेंद्र कृष्णा वासेई (46) मोपेड क्र. एमएच 36/एडी 1431 पलसगांव के एक दुकान के पास खड़ी की थी. इसी दौरान किसी अज्ञात चोर ने मौके का फायदा उठाकर मोपेड चुरा ली.

वंदे मातरम् भारत माता की जय के जय घोष से गूंज उठा शहर सेना के सम्मान में निकली तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के रंग में डूबा गोंदिया

विधायक विनोद अग्रवाल ने किया पूर्व सैनिकों का शॉल श्रीफल देकर सत्कार..राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुई तिरंगा यात्रा

बुलंद गोंदिया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना के साहस एवं पराक्रम को वंदन करने सोमवार 19 मई को गोंदिया शहर में भारतीय जनता पार्टी और गोंदिया की जनता द्वारा सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा की शुरुवात फुलचुर स्थित जलाराम लॉन से की गई जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए शासकीय विश्राम गृह में समाप्त हुई।

तिरंगा यात्रा के दौरान स्थानीय नागरिकों ने कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। हाथों में तिरंगा थामे देशभक्ति के नारों के साथ लोग यात्रा में शामिल हुए। भारत माता की जय और वंदे मातरम जैसे नारों से पूरा शहर गूंज उठा और माहौल पूरी तरह से देशभक्ति में सराबोर हो गया। खास बात यह रही कि बड़ी संख्या में महिलाएं भी इस यात्रा में उत्साहपूर्वक शामिल हुईं।

विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा, देश की रक्षा में तैनात हर जवान को यह संदेश देना जरूरी है कि देश का हर नागरिक उनके साथ खड़ा है। हमारे देश की सेना पर हमें गर्व है। इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से हम जवानों के त्याग और बलिदान को नमन करते हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष सीताताई रहांगडाले ने कहा, तिरंगा सिर्फ एक ध्वज नहीं, यह हमारी अस्मिता, एकता और संप्रभुता का प्रतीक है। जनता का जोश यह बताता है कि गोंदिया शहर सदैव देशभक्ति में अग्रणी रहा है। यह यात्रा हमारी भावनाओं का प्रतीक है।

तिरंगा यात्रा ने पूरे गोंदिया शहर को देशभक्ति के रंग में डुबो दिया और नागरिकों ने एकता और अखंडता का संदेश दिया। विश्राम गृह में यात्रा की समाप्ति राष्ट्रगान से की गई वही सेना के पूर्व सैनिकों का शॉल व श्रीफल देकर स्वागत किया गया। तिरंगा यात्रा के अवसर पर विधायक विनोद अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष सिताताई रहांगडाले, मुनेश रहांगडाले, सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, युवाओं, महिलाओं एवं गोंदिया शहर की जनता का समावेश रहा।

कृषि विस्तार अभियान -2025:- धान के बीज खरीदते समय ध्यान रखने योग्य बातें

बुलंद गोंदिया। खरीफ सीजन शुरू हो गया है और बीज खरीदते समय, अच्छा उत्पादन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है ,गुणवत्तायुक्त बीजों की आवश्यकता है, वर्तमान में बाजार में विभिन्न कंपनियां बीजों की बिक्री का विज्ञापन कर रही हैं।

वे किसानों को आकर्षित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे विज्ञापनों का शिकार होकर किसान ठगे जाएंगे। भारतीय बीज अधिनियम, 1966 किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लागू किया गया था। इसलिए किसानों को बीज का चयन करते समय कृषि विभाग से संपर्क कर नई उन्नत व संकर किस्में प्राप्त करनी चाहिए। देवरी उप विभागीय कृषि अधिकारी रूपेश मेश्रामने की अपील, किस्म जानकर ही लाइसेंसधारी विक्रेताओं से खरीदें बीज। बीज खरीदते समय फसल का नाम और किस्म, बीज का प्रकार, बैच संख्या, उत्पादक का नाम आदि टैग पर अंकित करना चाहिए। पता, बीज परीक्षण की तिथि, बैच संख्या, अंकुरण प्रतिशत, शुद्धता स्तर, बैग में बीजों की कुल संख्या वजन, विक्रय मूल्य, विक्रेता के हस्ताक्षर आदि की जांच की जानी चाहिए। बीज खरीदते समय रसीद अवश्य लेनी चाहिए। इसमें किसान का नाम, फसल का नाम, प्रकार और बीज का प्रकार शामिल होना चाहिए।

जाति, विक्रेता के हस्ताक्षर आदि दर्ज किये जाने चाहिए। हम उन बीजों को भी खरीदेंगे जो समाप्त हो चुके हैं और उन बीजों को भी जो तोड़ने के लिए तैयार हैं ।नहीं। ये सभी बातें भविष्य में बीज में कोई दोष पाए जाने पर शिकायत दर्ज करते समय उपयोगी हैं। इसके अलावा शिकायत स्वीकार्य नहीं मानी गयी। खरीदे गए बीजों का उपयोग करने से पहले बैग के नीचे एक छेद करें और बीज निकाल दें। थैला टैग हटाए बिना खाली थैला रखें और उसमें कुछ बीज छोड़ दें, खरीद रसीद अपने पास रखें।

रखा जाना चाहिए. यदि बीज की अंकुरण क्षमता कम है तो संबंधित विक्रेता एवं निर्माता कंपनी को बीज अधिनियम के तहत उत्तरदायी ठहराया जाएगा।

धारा 10, 1966 के अनुसार कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। बीज के संबंध में कोई शिकायत होने पर जिला गुणवत्ता निरीक्षक को सूचित किया जाएगा।

लिखित शिकायत नियंत्रण निरीक्षक, जिला कृषि अधीक्षक अधिकारी, कृषि विकास अधिकारी को की जानी चाहिए। यदि घटिया बीज के कारण आर्थिक नुकसान हो तो जिला उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कराएं और मुआवजा पाएं।अनुरोध किया जा सकता है. अधिक जानकारी के लिए कृषि विभाग के फील्ड स्तर पर कार्यरत कृषि सहायकों, कृषि पर्यवेक्षकों से संपर्क करें।मंडल कृषि अधिकारी, तालुका कृषि अधिकारी से संपर्क करें।

हज यात्रियों का टीकाकरण , पिलाई गई पोलियो खुराक, 25 मई से होंगे हज यात्रा के लिए रवाना

गोंदियाख़ादिमूल हुज्जाज कमेटी ने सभी हज यात्रियों को रुमाल, दुपट्टा व इत्र लगाकर दी मुबारक़बाद

शिविर में हज यात्रियों ने उठाया हज पूर्व प्रशिक्षण का लाभ

बुलंद गोंदिया। हज सफर 2025 की शुरुआत नागपुर एम्बारकेशन पॉइंट से आगामी 25 मई से शुरू होने जा रही है। हज यात्रा के लिए गोंदिया जिले से इस साल 17 हज यात्री हज के लिए रवाना होने वाले है।

हज यात्रा पर जाने के पूर्व हज यात्रियों को भारत सरकार और हज कमेटी ऑफ इंडिया के दिशा निर्देशों का पालन करना होता है। इन निर्देशों के तहत हज यात्रियों का प्रशिक्षण प्रशिक्षित ट्रेनर के माध्यम से दिया जाता है ताकि उनकी यात्रा में कोई गलती न हो। इसके साथ ही यात्रियों को सफर के दौरान किसी भी तरह की स्वास्थ्य परेशानी न हो इस हेतु हज यात्रियों का स्वास्थ्य चेकअप और टीकाकरण किया जाता है।

इस साल हज यात्रियों की स्वास्थ्य सुविधाओं को देखते हुए हज यात्रियों की सेवाभावी कमेटी, गोंदिया ख़ादिमूल हुज्जाज कमेटी और केटीएस सामान्य जिला रुग्णालय की टीम की ओर से 5 मई को आजाद लाइब्रेरी हाल में हज पूर्व हेल्थ चेकअप शिविर, वेक्सिनेशन और पोलियो खुराक दी गई।

इसके साथ ही हज यात्रियों के लिए हज ट्रेनिंग प्रोग्राम और उनके स्वागत-सत्कार (इस्तकबाल) का कार्यक्रम आयोजित कर हज जायरीनों को हाजी रुमाल, फूलों का हार, इत्र लगाकर तथा गले मिलकर पवित्र सफर की मुबारक़ बाद दी गई और देश में अमन, खुशहाली हेतु दुआ की दरखास्त की गई। हज की ट्रेनिंग हज कमेटी ऑफ इंडिया के ट्रेनर इंजी.शाहिद भाई शेख (नागपुर), और हाजी सत्तार मौलाना (गोंदिया) की ओर से दी गई।

वेक्सिनेशन हेतु केटीएस शासकीय डॉक्टर की टीम में निवासी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.डी. जायसवाल, डॉ. राणा खान (सिद्दीकी), डॉ. हुबेकर, डॉ. हरीश शेंडे, शिविर के कॉर्डिनेटर मनीष मदने, विजया पारधी, साधना जुमले, नरगिस अली, डिंपल सिस्टर, आरती चिखलोंडे, प्रियंका चन्दनकर ने अपनी सेवाएं दी।

इस कार्य को सफल बनाने में मुस्लिम जमात के सदर खालिद भाई पठान, गोंदिया ख़ादिमूल हुज्जाज कमेटी के अध्यक्ष हाजी जब्बार खान जिलानी, उपाध्यक्ष हाजी फारुख भाई कंडुरेवाला, सचिव हुसैन शेख, प्रो. हाजी जफर खान सर, ज़ाहिद खान (जावेद भाई), अनवर खान, प्रो. डॉ. सफीउल्ला खान सर, मिर्ज़ा तालिब बेग, शकील जाजम, हाजी याकूब शेख, अय्युब शेख, हाजी गफ्फार खान, हाजी इंजी. नोशाद शेख, कादर खान, असीम शेख, जफर खान, नासिर भाई, सईम कुरैशी, रिज़वाना शेख मैडम, रोजिया खान, गुलशन शेख, अर्शिया खान, अफजल शेख और फातिमा शेख का समावेश रहा। कार्यक्रम का संचालन व आभार हज कमेटी के सहसचिव ज़ाहिद खान ने किया।

लायंस क्लब गोंदिया राइस सिटी ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच व स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का किया आयोजन

बुलंद गोंदिया। लॉयन क्लब गोंदिया राइस सिटी द्वारा डोमिनोज हैप्पी स्ट्रीट में वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच व स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोंदिया के मल्टी स्पेशलिस्ट यूनाइटेड हॉस्पिटल के डॉक्टरो की टीम ने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य के प्रति कैसे सजग रहे यह बताया। मस्तिष्क शल्य चिकित्सक (न्यूरोसर्जन) डॉ वैभव नासरे, हृदय रोग विशेषज्ञ (कार्डियोलॉजिस्ट) डॉक्टर दर्पण चौधरी, व मधुमेह रोग विशेषज्ञ (एम डी) डॉक्टर शुभम पटले डॉक्टर्स ने लोगों को संबोधित करते हुए रोजमर्रा की जिंदगी में किस तरह हम अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहे यह बताते हुए खान-पान संबंधी वह अन्य जरूरी विषयों पर जानकारी दी ।

कार्यक्रम की प्रस्तावना क्लब की अध्यक्षा डॉ माधुरी नासरे ने रखा इस अवसर पर क्लब से पीडीजी ला राजेंद्र बग्गा ला प्रदीप जायसवाल ला अनिल वाधवा ला भारत क्षत्रिय ला सुशील सिंघानिया ला दीपक जायसवाल ला नीलम बग्गा ला शशि वाधवा ला स्वाति शर्मा ला पायल बग्गा ला आदित्य वाधवा ला जनार्दन कुसराम और ला रुचिता चौहान प्रमुखता से उपस्थित रहे।] आभार प्रदर्शन ला सुशील सिंघानिया ने व मंच संचालन ला रुचिता चौहान ने किया इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए ला डॉ माधुरी नासरे ने बताया कि हमारे क्लब द्वारा हम हमेशा ऐसे सेवा कार्य करते रहते हैं और आगे भी करते रहेंगे।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के माध्यम से राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 के लिए आवेदन आमंत्रित

नई दिल्ली/गोंदिया। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय सूक्ष्म, लघु और मध्यम (एमएसएमई) उद्यमियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और योगदान को मान्यता देता है और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार देकर प्रेरित और प्रोत्साहित करता है। वर्ष 2024 के लिए आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। विभिन्न श्रेणियों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को 35 राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाते हैं। महिला उद्यमियों, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों और पूर्वोत्तर राज्यों के एमएसएमई उद्यमियों को विशेष प्रावधानों के माध्यम से पुरस्कार दिए जाते हैं। इस योजना के तहत पुरस्कार विजेता एमएसएमई को 5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाता है।3 लाख (प्रथम पुरस्कार), रु. 2 लाख (द्वितीय पुरस्कार) और रु. 1 लाख रुपये (तृतीय पुरस्कार) साथ ही उन्हें ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाता है। राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 की विभिन्न श्रेणियों के लिए एमएसएमई से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ये आवेदन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://dashboard.msme.gov.in/na/Ent_NA_Admin/Ent_inde&.asp&) के माध्यम से 14.04.2025 से 20.05.2025 तक जमा किए जा सकते हैं। इच्छुक एमएसएमई गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://awards.gov.in/) के माध्यम से भी अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी www.dcmsme.gov.in पर उपलब्ध है। इच्छुक आवेदक अधिक जानकारी के लिए निकटतम एमएसएमई-विकास और सुविधा कार्यालय (एमएसएमई - डीएफओ) या टेलीफोन नंबर 011-23063342 पर संपर्क कर सकते हैं।

स्कूटी-ट्रक में भिड़ंत, युवती की मौत

मोहाड़ी-नवेगांव (धुसाला) के पास सड़क हादसे में 24 वर्षीय होनहार युवती शारदा दामोदर फुंडे की मौके पर ही मौत हो गई. हादसा सुबह 9 बजे हुआ. जब शारदा स्कूटी एमएच-49-बीजी-7645 से तिरोड़ा स्थित अपनी नौकरी पर लौट रही थी. सरांडी के पास स्थित इंदिराटोली गांव के निकट अचानक ट्रक (क्र. एमएच-46-एफ-0121) ने ब्रेक लगाया, जिससे शारदा की स्कूटी सीधे ट्रक से टकरा गई और सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई. शारदा हाल ही में तिरोड़ा के सिंचाई विभाग में नौकरी पर लगी थी. चचेरी बहन की शादी में शामिल होने गांव आई थी. शादी के बाद वह वापस नौकरी पर जा रही थी कि तब घटना हुई. शारदा फुंडे परिवार की पांचवीं संतान थी. उसका बड़ा भाई विजय पुलिस विभाग में पीएसआई है, बहन मीना पटवारी है, एक और बहन ज्योति वन विभाग में कार्यरत है, जबकि भाई सोमप्रकाश भारतीय सेना में जम्मू-कश्मीर सीमा पर तैनात है. शारदा हाल ही में सरकारी सेवा में चयनित हुई थी और परिवार की सबसे प्यारी बेटी मानी जाती थी.

बुद्ध पूर्णिमा के दिन मातृ दिवस के उपलक्ष मे सेना के जवानो एवं विद्यार्थियों का सत्कार

बुलंद गोंदिया। कल्पतरु स्विमिंग नागरा एवं बाहेकर सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर से बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर मदर्स डे मनाया गया। इसअवसर पर भारतीय सेना के सेवानिवृत्त जवानों और उनके परिवारों को एवं 2025 की 12 वीं की परीक्षा में उच्च अंक पाने वाली बेटियों और बेटो का सत्कार किया गया। 12 वीं बोर्ड की परीक्षा में कु.प्रियांशी हेमंत/प्रीती अग्रवाल 97त्न अंक लेकर अग्रणी रही वैसे ही मयूर लेकचंद धामडे ने 83त्न अंक हासिल किया, कु.मनीषा नागपुरे ने 81त्न अंक लिया तथा तृप्ति क्रांतिकुमार लिल्हारे ने 80त्न अंक लिए सभी का मुख्य अतिथियों व सेना के जवानों द्वारा डायरी और पुष्प गुच्छ देकर सत्कार किया गया। इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने मां शब्द की गरिमा बताई तथा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय जल सेना, थल सेना, वायु सेना के पराक्रमी वीर जवानो का आभार माना, इसी क्रम मे जय हिंद फाउंडेशन के अध्यक्ष राजा लिल्हारे उपाध्यक्ष चंद्रशेखर भोंडेकर ,पुरुषोत्तम तिवारी सभी भारतीय सेना के सेवानिवृत्त जवानो और उनके परिवारों का पुष्पगुच्छ और डायरी देकर सत्कार किया गया। मदर्स डे के अवसर पर डॉक्टर गार्गी बाहेकर ने महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता संभाषण दिया ।कल्पतरू की शान कु.मन्नत अभय अग्रवाल कु.मानसी पदम अग्रवाल कु.आयत वाय जे तांबोली, कु.हिमांशी गौरव मेठी नव्या अग्रवाल, खुशी अग्रवाल, पाखी अग्रवाल, कु.त्रिशा सभी ने मां को नमन कर मां का सुंदर वर्णन किया ।कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि डॉक्टर रत्नपारखी मैम, प्रा.डॉ.संगीता घोष , दिव्या भगत, मौसमी सोनछात्रा, सोनिया डांगोरे, दीपमाला यादव, राखी राहंगडाले की गरिमामई उपस्थिती रही ।सभी वक्ताओ ने भगवान गौतम बुद्ध की महिमा बताइ और मां से बड़ा इस दुनिया मे कोई नहीं यह समझाया, साथ ही भारतीय सेना की कामयाबी पर जवानो की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस भव्य कार्यक्रम मे बड़ी संख्या मे मातृशक्ति की गरिमामई उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन शिव नागपुरे तथा आभार शीला शिव नागपुरे ने माना कार्यक्रम सफलतार्थ लेकचंद धामडे नेकिया।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस द्वारा शिक्षणवेध 2047 त्रैमासिक का प्रकाशन

मुंबई/गोंदिया। राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रभावी कार्यान्वयन जारी है और इस नीति के माध्यम से नवाचार और अनुसंधान को और अधिक गति दी जा रही है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने त्रैमासिक पत्रिका शिक्षावेध 2047 का शुभारंभ किया है। यह त्रैमासिक पत्रिका आज मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस द्वारा कैबिनेट बैठक से पहले जारी की गई।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल, मंत्रिमंडल के सदस्य, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक और उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव बी. वेणुगोपाल रेड्डी उपस्थित थे।त्रैमासिक शिक्षणवेध 2047 में विभाग की विभिन्न योजनाओं, पहलों, नीतियों, सफलता की कहानियों, शिक्षा के क्षेत्र में विशेषज्ञों के विचार, सफल विद्यार्थियों की प्रेरक कहानियां और शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों को शामिल किया जाएगा। इसके अलावा, तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा, कला शिक्षा और पुस्तकालय निदेशालय विभागों की समेकित जानकारी भी पाठकों के लिए उपलब्ध होगी। शिक्षावेध त्रैमासिक पत्रिका विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों के लिए प्रेरणादायी और मार्गदर्शक होगी।

आवास योजना के लाभार्थियों को घर बैठे मिलेगी 5 ब्रास रेत की रॉयल्टी पास

विनोद अग्रवाल की पहल से जटिल ऑनलाइन आवेदन से मुक्ति, लाभार्थियों को घर पर ही मिलेंगी रॉयल्टी पास

बुलंद गोंदिया। गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना, रमाई आवास योजना और शबरी आवास योजना के तहत निर्माण कर रहे हजारों लाभार्थियों को अब रेत की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह संभव हुआ है विधायक विनोद अग्रवाल की पहल और प्रयासों के चलते, जिनके निर्देश पर अब पात्र लाभार्थियों को घर बैठे 5 ब्रास रेत का रॉयल्टी पास प्रदान की जाएंगी ।

प्रशासन को दिए स्पष्ट निर्देश

15 मई को तहसील कार्यालय में आयोजित समीक्षा सभा में विधायक विनोद अग्रवाल ने तहसीलदार, बीडीओ और सीईओ नगर परिषद को स्पष्ट निर्देश दिए कि आवास योजनाओं के सभी स्वीकृत लाभार्थियों को शासन के जीआर के अनुसार रेत की रॉयल्टी पास जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए।

रेत कैसे और किसे मिलेगी

लगभग 12,000 घरकुल लाभार्थियों को 5 ब्रास रेत का रॉयल्टी पास सीधे घर पहुंचाकर मिलेगा। पास मिलने के बाद लाभार्थी को एक महीने के भीतर अपने खर्च पर रेत का परिवहन करना होगा। रेत का उठाव निर्धारित रेत घाटों से ही करना होगा, जिसकी

सूचना उन्हें पास देते समय दी जाएगी।

निजी मकान बना रहे नागरिकों को भी 660 रुपये प्रति ब्रास की दर से अधिकतम 5 ब्रास की रॉयल्टी पास मिलेगी। जिसका आवेदन उन्हें अपने नगरपरिषद या ग्राम पंचायत में करना होगा

साथ ही शासकीय कार्य कर रहे ठेकेदारों को भी मंजूर कार्य के अंदाजपत्रक के अनुसार 660 रुपए प्रति ब्रास दर से रॉयल्टी मिलेगी जिसे वे अपने कार्य के कार्यारंभ आदेश और अंदाजपत्रक की कॉपी तहलसीदार के पास जमा करके ले सकते हैं।

ऑनलाइन की जगह अब फिजिकल पास

पहले यह प्रक्रिया ऑनलाइन थी, जो ग्रामीण नागरिकों के लिए जटिल थी। विधायक विनोद अग्रवाल ने इस मुद्दे को मा. महुसल मंत्री श्री चंद्रकांत बावनकुलेजी और वित्त व नियोजन राज्यमंत्री श्री आशीष जायसवाल के समक्ष उठाया और प्रक्रिया को ऑफलाइन करने की अनुमति प्राप्त की। जिससे अब रॉयल्टी पास तहसीलदार द्वारा प्रमाणित फिजिकल रूप में सीधे लाभार्थियों को दिए जाएंगे।

प्रशासनिक समन्वय और पारदर्शिता पर बल

बैठक में रेत की उपलब्धता, उत्खनन और परिवहन की प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए निर्देश दिए गए। बीडीओ और सीईओ को कहा गया है कि सभी पात्र लाभार्थियों की सूची तहसीलदार को तत्काल सौंपें, ताकि पास समय पर वितरित किए जा सकें।

जनसेवा को समर्पित पहल

विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि रेत की वजह से कोई भी लाभार्थी अपने घर के सपने से वंचित न रहे यही हमारी प्राथमिकता है। प्रशासन के सहयोग से अब हर पात्र व्यक्ति को उसका हक़ मिलेगा, और वह भी बिना किसी जटिल प्रक्रिया के।

अधिक जानकारी कहाँ से लें?

लाभार्थी अपने गांव के तलाठी या ग्रामसेवक से संपर्क कर पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मुंबई पुलिस अधिनियम की धारा 37(1) (3) गोंदिया जिले में निषेधाज्ञा लागू

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्क रहना बहुत जरूरी है। इसलिए, मुंबई पुलिस अधिनियम क्रमांक 22 की धारा 37 (1) और (3) के अनुसार, जिले में सार्वजनिक सड़कों पर सार्वजनिक शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 17 मई 2025 की मध्यरात्रि से 31 मई 2025 की मध्यरात्रि तक निषेधाज्ञा जारी की गई है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत निम्नलिखित पर प्रतिबंध है

1. हथियार, तलवारें, डंडे, भाले, बंदूकें, डंडे या कोई भी ऐसी वस्तु ले जाना जिससे शारीरिक क्षति हो सकती हो।2. ज्वलनशील या विस्फोटक पदार्थ ले जाना।3. पत्थर या मिसाइल फेंकने के लिए उपकरण बनाना, इकट्ठा करना, रखना।4. व्यक्तियों, शवों, आकृतियों या उनकी छवियों का सार्वजनिक प्रदर्शन।5. सार्वजनिक घोषणाएँ करना, गीत गाना, संगीत वाद्ययंत्र बजाना।6. ऐसे भावुक भाषण, हाव-भाव या चित्र, संकेत जो शालीनता, नैतिकता या राज्य की सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं।7. उप-विभागीय मजिस्ट्रेट/तालुका मजिस्ट्रेट तथा थानेदार की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी जुलूस या मार्च निकालना प्रतिबंधित है। यह अधिसूचना सरकारी एवं गैर-सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी अवधि पर लागू नहीं होगी, न ही यह शवयात्रा या धार्मिक जुलूसों पर लागू होगी। यदि शर्तों का उल्लंघन पाया गया तो आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। उप-विभागीय मजिस्ट्रेटों और तालुका मजिस्ट्रेटों को थानेदारों की रिपोर्ट के आधार पर विशिष्ट मामलों में छूट देने का अधिकार दिया गया है। यह अधिसूचना भैयासाहेब बेहेरे, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी गोंदिया द्वारा जारी की गई है।

मालिकों के चेहरें पर दिखी खुशी की रौनक रावणवाड़ी के पुलिस ने लौटाए 15 गुम मोबाइल

गोंदिया, ब्यूरो. रावणवाड़ी थाना क्षेत्र से गुम हुए 15 मोबाइल की तलाश कर उनके मालिकों को लौटाए गए. जिनकी कीमत 1 लाख 50 हजार रु. बताई गई. जानकारी के अनुसार रावनवाड़ी पुलिस टीम ने खोए हुए मोबाइल एप्लीकेशन को केंद्र सरकार के सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) एप्लीकेशन पर अपलोड किया. टीम ने वैज्ञानिक व तकनीकी तरीकों और खुफिया जानकारी का उपयोग करते हुए शीघ्रता से रावनवाड़ी थाना क्षेत्र से विभिन्न कंपनियों के कुल 15 महंगे मोबाइल फोन बरामद किए. उक्त मोबाइल 21 मई को पुलिस निरीक्षक वैभव पवार के हाथों मोबाइल मालिकों को लौटा दिए. मोबाइल फोन मालिकों के चेहरों पर खशी साफ झलक रही थी, क्योंकि उनके खोए हुए मोबाइल उन्हें वापस मिल गए. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा, उपविभागीय अधिकारी रोहिणी बानकर के मार्गदर्शन में रावणवाडी थाने

के वैभव पवार, सिपाही रजनिकांत बोपचे, तकनीकी सेल गोंदिया के पुलिस निरीक्षक पुरुषोत्तम अहेकरकर के मार्गदर्शन में अंमलदार रोशन येरणे, योगेश रहिले ने की.

बंद घर से उड़ाया 62,000 रु. का माल

गोंदिया-देवरी थाने के तहत त्रिमुर्ती नगर देवरी निवासी फिर्यादी राजेश रामदास नरेटी (52) अपने परिवार के साथ बाहर गांव गया था. इसी का फायदा उठाते हुए अज्ञात व्यक्ति ने घर का ताला तोड़कर बेडरुम के अलमारी से सोने के आभूषण, मोबाइल व एक हजार रु. नकद ऐसे कुल 62 हजार रु. का माल चुरा लिया.फिर्यादी की शिकायत पर देवरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

सौदड़ ग्राम सभा-सरपंच हर्ष मोदी के नेतृत्व में विकास के कार्यों व ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण ग्राम वासियों के भारी समर्थन से ग्राम पंचायत प्रगति की ओर अग्रसर

बुलंद गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सौदड़ के सरपंच हर्ष मोदी के नेतृत्व में हुई ग्राम सभा में विकासात्मक कार्यों को मंजूरी देने के साथ ही नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। सरपंच मोदी को नागरिकों से मिल रहे भारी जन सहयोग के चलते ग्राम पंचायत

प्रगति की ओर अग्रसर हो रही है। गौरतलब है की सड़क अर्जुनी तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सौदड़ के सरपंच पद पर हर्ष मोदी के निर्वाचित होने के बाद से ही उन्होंने ग्राम के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। मोदी के इन कार्यों को ग्राम वासियों का भारी समर्थन मिल रहा है जिससे ग्राम पंचायत निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर हो रही है। हाल ही में सौदड़ ग्राम में सरपंच हर्ष विनोद मोदी की अध्यक्षता में ग्राम सभा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।आयोजित सभा में अनेकों विकासात्मक कार्यों को मंजूरी देने के साथ ही नागरिकों की विभिन्न समस्याओं को सुनकर उसको हल करने का प्रयास किया गया। साथ ही एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए क्रांति सूर्य समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन पर आधारित प्रेरणादायक फिल्म फुले का ग्राम में प्रदर्शन करने का प्रस्ताव रखा गया जिसे ग्राम पंचायत ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी जिससे महात्मा ज्योतिबा फुले के कार्य व विचारों को ग्राम वासियों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण योगदान होगा। साथ ही अतिदृष्टि योजना के लिए पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार करने का निर्णय लिया गया जिसमें दृष्टिहीन अथवा दृष्टि दोष से पीड़ित नागरिकों की सहायता के लिए इस योजना के अंतर्गत लाभार्थियों की पहचान की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय। भू-कर निर्धारण संबंधित ग्रामीणों की समस्या का तत्काल हल करने। पशुपालन योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को मंजूरी वह प्रक्रिया पारदर्शी। प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित जानकारी व लाभार्थियों की शंकाओ का निवारण के साथ ही अनेकों विषयों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई तथा ग्राम सभा शांतिपूर्ण तथा पारदर्शिक तरीके से संपन्न हुई तथा उपस्थित नागरिकों द्वारा सरपंच हर्ष विनोद कुमार मोदीके नेतृत्व कुशल नेतृत्व के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर सहयोग देने का आश्वासन दिया गया जिस पर मोदी द्वारा ग्राम वासियों का हृदय से स्वागत कर अभिनंदन कर धन्यवाद व्यक्त किया।

फुले शाहू आंबेडकर के विचारों को घर-घर तक पहुंचाना सरपंच हर्ष मोदी द्वारा अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गांव के समग्र विकास में हर नागरिक की सहभागिता आवश्यक है, ग्राम सभा सिर्फ चर्चा का मंच नहीं बल्कि निर्णय लेने तथा ग्राम के विकास के भविष्य की दिशा तय करने की संपूर्ण प्रक्रिया है साथ ही ग्राम सुधार के लिए फुले , साहू और डॉ। बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों को घर-घर तक पहुंचाना यही मेरा मिशन है।

- हर्ष विनोद कुमार मोदी
सरपंच ग्राम सौदड़ जिला गोंदिया

दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट में दायर करेंगे याचिका -अरुण दर्यानी

बुलंद गोंदिया। शहर के कुष्णपुर्रा वार्ड, श्रीनगर में दो महिलाओं में विवाद हो रहा था. इसी बीच पुलिस वहां आई और बिना किसी कारण हमें थाने ले गई और मारपीट की गई। जबकि हमने कोई अपराध नहीं किया था. मारपीट करने वाले

पुलिस कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के बजाय हमारे खिलाफ झूठा मामला दर्ज कर दिया गया. पुलिस अधिकारी उन पुलिसकर्मियों का समर्थन कर रहे हैं जिन्होंने निष्पक्ष जांच किए बिना मारपीट की. मारपीट करने वाले पुलिसकर्मियों पर 8 दिनों में कार्रवाई नहीं की गई तो उच्च न्यायालय में याचिका दायर करेंगे, ऐसी जानकारी पीड़ित श्रीनगर निवासी अरुण दर्यानी नेपत्र परिषदमें दी। अरुण दर्यानी ने आगे जानकारी देते हुये बताया कि 2 मार्च 2025 को दो पडोसी महिलाएं आपस में लड़ रही थीं. इसी दौरान पुलिस सिपाही महेंद्र ताजणे और एक अन्य सिपाही वहां पहुंचे. उन्होंने अरुण के भाई ईश्वर को बुलाया. ईश्वर ने बताया कि उसका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। इसी बीच, ताजने ने ईश्वर का कॉलर पकड़ लिया और अपनी पुलिसिया धौंस दिखाते हुए उसे जेल में डालने की धमकी दी. इस बीच, मेरी बहन रेखा दर्यानी और मैंने पूछा कि ईश्वर का कॉलर पकड़कर क्यों धमकाया गया। उसके बाद हम तीनों घर चले गए. लेकिन, एक घंटे बाद सिपाही ताजने और आठ अन्य पुलिसकर्मी पुलिस वाहन में उसके घर पहुंचे और उसे यह कहते हुए शहर पुलिस थाने ले गए कि साहब उन्हें बुला रहे हैं. इस समय सिपाही ताजणे ने उसे पुलिस उपनिरीक्षक चन्नावार के कक्ष में ले जाकर 25 से 30 थप्पड़ मारे तथा कॉलर पकड़कर उसे झूठे अपराध में फंसाने की धमकी दी तथा उस पर यह स्वीकार करने का दबाव बनाया कि उसने उसके साथ दुर्व्यवहार किया है। दर्यानी ने बताया कि ताजने ने उसी दिन रात 10.21 बजे उनके खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराई. शिकायतों के बावजूद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पुलिसकर्मियों को सहयोग कर रहे हैं घटना के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ की गई है। पुलिस ने तीनों गवाहों के बयान स्वेच्छा से दर्ज किए तथा कोरे कागजों पर उनके हस्ताक्षर लिए. हमने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री और गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण, पुलिस अधीक्षक गोंदिया, पालकमंत्री और विधायक विनोद अग्रवाल से की गई. दर्यानी ने बताया कि अगर 8 दिनों के भीतर दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो हम हाईकोर्ट में अपील करेंगे और मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे। पत्र परिषद में रेखा दर्यानी, पुरूषोत्तम दर्यानी, क्रिश खत्री, लक्ष्मी खेमचंदानी आदि उपस्थित थे.

दरयानी के आरोप निराधार

कार्रवाई करने गई पुलिसकर्मियों के साथ अरुण दर्यानी को सहयोग करना था उन्होंने पुलिस पर झूठे आरोप लगाए हैं। सीसीटीवी कैमरों के नियंत्रण से छेड़छाड़ संभव नहीं है, दरयानी के आरोप निराधार हैं.

किशोर पर्वते,
पुलिस निरीक्षक, गोंदिया शहर।

जेसीआई सीनियर सिटीजन वॉकथान सम्पन्नबड़ी संख्या मे वरिष्ठ नागरिक हुए शामिल

बुलंद गोंदिया। जेसीआई एल्युमिनी क्लब द्वारा रविवार को सुभाष गार्डन में आयोजित वरिष्ठ नागरिक वॉकथॉन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। वॉकथॉन में बड़ी संख्या मे वरिष्ठ नागरिकगण सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेसी पुरुषोत्तम मोदी थे, जिन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और वॉकथॉन विजेताओं को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया।पुरुष वर्ग में दामोदर बडवाईक, पी. डी. पानसे, चंद्रकांत गौतम, किशोर होतचंदानी व महिला वर्ग में श्रीमती कुसुम जायसवाल, श्रीमती साधना अरोड़ा विजयी रहे। सर्वश्री के.डी. अरोड़ा, अक्षय जैन, पदम लनिया, सतीश रायकवार, डॉ. बाबूलाल चौधरी, सतीश रायकवार, पुरुषोत्तम बावनकर, खैमराज गौड़े, पुरुषोत्तम भेलावे, राजेंद्र सातभाई इत्यादि वरिष्ठ नागरिकगण प्रमुखता से वॉकथॉन मे सहभागी हुए। वरिष्ठ नागरिक के.डी. अरोड़ा ने अपनी शानदार मिमिक्री से उपस्थितो को खूब हसाया। जेसीआई एल्युमनी क्लब की आँचल उपाध्यक्षा ऐड. कीर्ति आहूजा की प्रमुख उपस्थिति मे सम्पन्न इस कार्यक्रम का संचालन जेसी वासुदेव रामटेककर नें, प्रस्तावना जेसी भूमी वतवानी व आभार जेसी सारिका ढोमने नें माना। वॉकथॉन की सफलता हेतु बलवान ग्रुप के प्रशिक्षक योगेश डोडवानी, वरिष्ठ नागरिक नरेश खेता, मुन्ना उपाध्याय, शंकर सोनी, पंकज शिवनकर, शंकर पाठक गार्डन के प्रभारी महेश कठाने, कर्मचारी सतीश गौर का विशेष योगदान रहा।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।